ICIMOD

FOR MOUNTAINS AND PEOPLE

प्रतिवादन वैश्विक परिवर्तन की चुनौतियों का–

पर्वतीय समुदाय के लचीलेपन और सहायक अनुकूलन को सुदृढ़ बनाना

हिमालय क्षेत्र में प्राकृतिक आपदाओं की तीव्रगति से बढ़ती दर और तीव्रता इस तथ्य को पूर्ण उजागर करती है कि इस क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव दृष्टिगोचर होने लगे हैं। इसके फलस्वरूप यह और अधिक स्पष्ट होता है कि यहाँ की जनता का जीवन और आजीविका दोनों ही संकटग्रस्त हैं। जल, जैवविविधता और पारितंत्रीय (पर्यावरिक) की उपलब्धता और अधिकजटिल होती जा रही है। अतः वैश्विक समुदाय द्वारा प्रस्तावित उन समुचित उपायों के अतिरिक्त आज आवश्यकता है कुछ ऐसे उपायों की जो पर्वतीय समुदाय की जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से निपटने की क्षमता में वृद्धि के साथ–साथ अल्पकाल में इन दुष्प्रभावों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को भी कम कर सके।

संकल्पना एवम् लक्ष्य

इसीमोड की यह संकल्पना है कि वृहद् हिमालय की जनता, एक सतत् एवम् शुद्ध वैश्विक पर्यावरण में समुन्नत जीवनशैली के माध्यम से खुशहाल जीवन व्यतीत करे। सक्रिय क्षेत्रीय सहयोग के माध्यम से सतत् पर्वतीय विकास का अनुसरण करते हुए हिन्दूकुश–हिमालय की जनता के खुशहाल जीवन को न्यायपूर्ण ढंग से समर्थ व सहज बनाना, इसका लक्ष्य है।

कार्यवाही

इसीमोड ने अपने क्षेत्रीय सदस्य देशों तथा स्टेकहोल्डरों के साथ गहन विचार विमर्श के फलस्वरूप जल, पारितंत्रीय सेवाएं और आजीविका जैसे तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों – का चयन किया है। यह महत्वपूर्ण समस्याओं के परिचालन की प्राथमिकताओं में परिवर्तन करने में सहायक होगा और उपलब्ध आर्थिक मानवीय एवम् सांस्थानिक संसाधनों का सदुपयोग हो सकेगा। इसीमोड की यह रणनीति है कि इस क्षेत्र+ के लोगों का हित हो, अपवाह क्षेत्रों में बसे करोड़ों लोगों को भी दीर्घकालीन लाभों का प्रतिफल मिले और अन्ततः सम्पूर्ण विश्व इससे लाभान्वित हो।

+ (अफगानिस्तान, बंगलादेश, भूटान, चीन, भारत, म्यामार, नेपाल और पाकिस्तान)

जल और संकट

जल संरक्षण, उसका चिरस्थाई प्रबंधन और उसका सर्वमान्य भविष्यगत उपयोग, हिमालयी जनता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे हैं। इस क्षेत्र और उसके आस–पास के क्षेत्र की समृद्धि और स्थिरता के लिए भी इनकी महत्ता अविवादित है। जल न केवल सबसे महत्वपूर्ण संसाधन और सम्पत्ति का स्रोत है अपितु यह विनाशकारी घटनाओं का भी कारण है। इसीमोड के समन्वित दृष्टिकोण का उद्देश्य, इस वृहद् पर्वतीय पारितंत्र के एक भाग के रूप में जल के सतत् उपयोग तथा प्रबंधन के साथ–साथ आजीविका हेतु जल तथा भूमि संसाधन का उपयोग, आपदा जोखिम न्यूनीकरण, मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण में सहयोग करना है। इसीमोड जल तथा बर्फ संसाधनों के पर्यवेक्षण और मूल्यांकन, सामुदायिक प्रत्यास्थता और आपदा जोखिम न्यूनीकरण की तैयारियों को बढ़ावा देने, ऊर्ध्वप्रवाही और अनुप्रवाही लाभों में तर्कसंगत हिस्सेदारी सुनिश्चित करने और समुचित जोखिम प्रबंधन के लिए सूचनाओं तथा यंत्रों को उपलब्ध कराने का कार्य करता है।

पारितंत्रीय सेवाएं

पहाड़ों में गरीबी बढ़ने का मुख्य कारण पारितंत्रीय परिवर्तन हैं। पर्वतीय लोगों की आजीविका मैदानी लोगों की आजीविका की अपेक्षा पर्यावरण और आर्थिक परिवर्तन के प्रति अधिक संवेदनशील है। उनका जीवन प्राकृतिक संसाधनों की उपलब्धता एवम् उनके प्रबंधन के साथ मजबूती से जुड़ा है तथा इनसे उनके जीवन की प्रतिक्रिया भी तीव्र गति से होती है। इसीमोड किसी क्षेत्र से प्राप्त पारितंत्रीय सेवाओं को बढ़ाने और उनके प्रबंधन का कार्य करने के साथ–साथ भू–उपयोग के द्वारा पर्वतीय लोगों एवम् अनुप्रवाह क्षेत्रवासियों की आजीविका पर पड़ने वाले प्रभाव का विश्लेषण भी करता है। इसीमोड जल एवम् कार्बन जमाव जैसी पारितंत्रीय सेवाओं को सुदृढ़ बनाता है तथा क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर प्राकृतिक धरोहर और आजीविका की सशक्त संसाधन जैवविविधता के संरक्षण और प्रबंधन का कार्य भी करता है ।

वृहद् हिमालय क्षेत्र में 60% भूमि चारागाह के अंतर्गत आती है जो अवकृमित है और बंजर होती जा रही है।

जलागम प्रबंधन रणनीतिक उपायों के माध्यम से उत्पादन वृद्धि और खाद्य सुरक्षा के लिए नवीनतम विकल्पों का अध्ययन किया गया है।

भू–आधारित विकल्प सामाजिक, आर्थिक तथा पर्यावरणीय प्राचलों हेतु एक भू–गर्भीय आंकड़ों का ढाँचा प्रदान करते हैं।

संचार एवम् आदान–प्रदान, प्रशिक्षण, सभाएं, पुस्तकें, संक्षिप्त ग्रन्थ, ऑन–लाइन प्रकाशन के रूप में पाये जाते हैं।

सतत् आजीविका

हाल के वर्षों में नवीन आर्थिक विकास, जनसंख्या गतिकी एवम् जलवायु परिवर्तन इतनी तीव्रता से हो रहे हैं कि इस क्षेत्र की परम्परागत अनुकूलन विधियॉं निष्प्रभावी होती जा रही हैं। फलस्वरूप पर्वतीय समाज में गरीबी बढ़ रही है और कृषक सीमान्त होते जा रहे हैं। क्षेत्र की जनता को इतना सक्षम व समर्थ होना चाहिए कि वह इन परिवर्तनों का सामना करते हुए उनके अनुकूल हो सके और वह उन परिवर्तनों से लाभ अर्जित कर सके जिन्हें वह अनुभव कर रही है जिससे वह उन्नत आजीविका विकल्पों के साथ खुशहाल जीवनयापन करने के साथ–साथ सामाजिक तथा पर्यावरणीय दृष्टि से सुरक्षित हो सके। इसीमोड गरीबी की परिस्थितियों और उसके मुख्य कारणों का पर्यवेक्षण और विश्लेशण करता है तथा उच्च मूल्य के उत्पादों और मूल्य श्रृंखला, नवीन आजीविका विकल्पों और आर्थिक विश्लेषण पर विशेष ध्यान देते हुए नीतिसंबंधी आंकड़ों के विकास में सहयोग देता है। इसीमोड गरीबी कम करने हेतु स्थिर आय अर्जक उपायों को भी बढावा देता है जिससे सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रभाव को कम किया सके।

ज्ञान प्रबंधन

इसीमोड एक क्षेत्रीय ज्ञान–विकास और ज्ञानार्जन का केन्द्र है। यह एक अभिलेखन केन्द्र है, प्रशिक्षण और प्रयुक्त शोध का केन्द्र बिन्दु है तथा वैज्ञानिक एवम् प्रौद्योगिकी विषयों के लिए एक परामर्शीय स्थल। इसीमोड की गतिविधियाँ एक एकीकृत ज्ञान प्रबंधन ढांचे पर आधारित हैं जो इसके कार्यक्रमों उपयुक्त उपायरूपी यन्त्र और प्रविधियाँ उपलब्ध कराता है तथा सहयोगियों के साथ एवम् उनमें परस्पर सूचनाओं तथा ज्ञान का आदान–प्रदान हो सके। संचार और आदान–प्रदान, एकीकृत सूचना प्रबंधन प्रणालियाँ, भूगर्भीय–सूचना, निर्णय सहयोगी पद्धतियाँ, सूचना एवम् संचरण पद्धति प्रबंधन और क्षमता विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। अंतर्राष्ट्रीय ज्ञान का क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार परिमार्जन किया जाता है। क्षेत्रीय मंच पर ज्ञान के आदान–प्रदान की गतिविधियाँ इसीमोड की भूमिका की मुख्य केन्द्र हैं क्योंकि इसी मंच पर नीतिनिर्माताओं, विशेषज्ञों, नियोजकों और व्यवसायियों के बीच सुझावों और विचारों का आदान–प्रदान होता है।

मधु–मक्खी पालन और उसके उत्पाद तथा औषधि एवम् सुगन्धित पादप संबंधी इसीमोड की कुशलता इस क्षेत्र के लिए अत्यंत मूल्यवान है।

पारि–पर्यटन और उच्च मूल्य के उत्पाद, नवीन आजीविका विकल्पों के रूप में उपयुक्त प्रमाणित हो रहे हैं।

उन पारितंत्रीय सेवाओं को उपयुक्त एवम् पर्याप्त मान्यता मिलनी चाहिए जो पर्वतीय समाज करोड़ों मैदानी लोगों को उपलब्ध कराता है।

वायु, जल एवम् बर्फ जैसे संसाधनों के पर्यवेक्षण से उपयुक्त सूचना एवम् आवश्यक उपाय प्राप्त होते हैं जिनके माध्यम से उनका समुचित प्रबंधन सम्भव है।

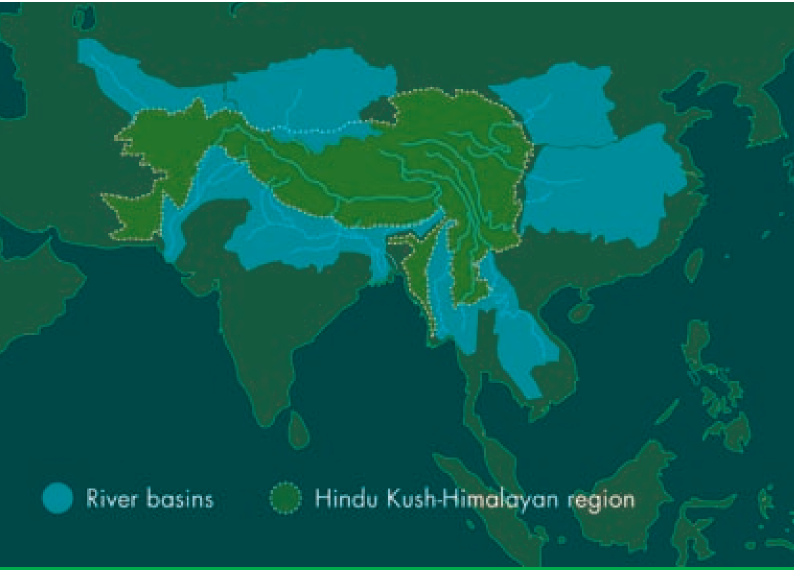

हिन्दूकूश हिमालया क्षेत्र पृथ्वी का 'तीसरा ध्रुव' माना जाता है, क्योंकि ये पहुँच से दूर है, और इसमें जल बर्फ के रूप में पाया जाता है । इसे एशिया का 'जलमिनार' भी कहते है, क्योंकि ये दश सबसे विशाल नदियों का श्रोत है । मानचित्र पहाडी क्षेत्र और मुख्य नदियों का संग्रहण क्षेत्रों को दर्शाता है ।

इसीमोड परिचय

नेपाल के काठमाडू में स्थित इसीमोड एक गैर–राजनीतिक अंतर्राष्ट्रीय संस्था है। इसीमोड की स्थापना 1983 में हुई। यह संस्था हिन्दूकूश–हिमालय के सभी आठ देशों और विश्व के सभी पर्वतीय–समुदायों की सेवा में संलग्न है। इसीमोड का कार्य आर्थिक और पर्यावरणीय दृश्टि से सम्पन्न एक ऐसे पारितंत्र का विकास करना है जिससे पर्वतीय समुदायों की जीवन–शैली में वर्तमान के साथ–साथ भविष्य के लिए भी सुधार हो सके। विगत 25 वर्षों में इसीमोड ने लोगों का जागरूक करने एवम् हिमालयी पर्वतीय प्रणालियों की विलक्षण भूमिका के संरक्षण हेतु उन्हें प्रेरित करने हेतु एक ज्ञान–विकासक और पर्यावरणीय शिक्षा के केन्द्र की भूमिका निभाई है। इसीमोड का क्षेत्र में कार्य करने का लम्बा इतिहास, अच्छी तरह तराशी गई निपुणता, रणनीतिक स्थिति और तुलनात्मक सुविधाएं इसे अद्वितीय स्थिति प्रदान करती हैं और यह संस्थान इस क्षेत्र की नवीन चुनौतियों के समाधान में अपना उल्लेखनीय योगदान प्रदान करता है। इसीमोड की विस्तृत सोच यह सुनिश्चित करती है कि आर्थिक विश्लेषण, लैंगिक निश्पक्षता और समानता तथा अधिकार संबंधी नीतियाँ सभी सम्पूर्ण–समाधनों का अनिवार्य घटक हों।

हमारे सहयोगी

इसीमोड के क्षेत्रीय सदस्य देशों की विभिन्न संस्थाएं इसकी सहयोगी हैं जो विकास विशेषज्ञों, नीति–निर्धारकों और समर्थकों के साथ सम्पर्क रखती हैं। इन सभी वर्गों का पारस्परिक सम्पर्क यह सुनिश्चित करता है कि यदि वहाँ की परिस्थितियों और नीतियों में कोई बदलाव आये तो इसीमोड के योगदान को भी उसी के अनुरूप परिवर्तित किया जा सके। यह संस्थान तकनीकी क्षेत्र में आवश्यक विशिष्ट योग्यता प्राप्त करने के लिए हिन्दूकुश–हिमालय से बाहर स्थापित विशिष्टता के अंतर्राष्ट्रीय केन्द्रों के साथ दीर्घकालीन सहयोग को बढ़ावा देता है। इसीमोड वित्त प्रदाताओं को अपना वित्तीय सहयोगी मानता है क्योंकि इस क्षेत्र के विकास का लाभ क्षेत्रीय लोगों के साथ–साथ सम्पूर्ण वैश्विक समुदाय को भी प्राप्त होता है।

वित्त पोषण (वित्तीय सहयोग)

इसीमोड को दीर्घकालीन प्रायोजकों द्वारा केन्द्रीय (कोर) और कार्यक्रम संचालन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। इन प्रायोजकों में इसके क्षेत्रीय सदस्य दशों के अतिरिक्त इस क्षेत्र से बाहर के ऐसे प्रायोजक भी हैं जो इसीमोड के उद्देश्यों का समर्थन करते हैं। विशेष कार्यक्रमों की गतिविधियाँ अन्य सार्वजनिक, निजी, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दाताओं द्वारा प्रदत्त राशि से संचालित की जाती हैं। सदस्य देशों में उच्च स्तरीय गतिविधियों का संचालन पूर्ण–निर्धारित परियोजना के रूप में किया जाता है जिसकी वित्तीय व्यवस्था स्वयं सदस्य देशों द्वारा की जाती है। सार्वजनिक एवम् व्यक्तिगत दानदाता इसीमोड में फाउन्डेशन के माध्यम से अंशदान कर सकते हैं।

www.icimodfoundation.org
एकीकृत पर्वतीय विकास का अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र
पो बाक्स–3226, काठमाडू–नेपाल
खुमल्तार, ललितपुर,नेपाल
दूरभाश: 977-1-5003222
ई–मेल: info@icimod.org www.icimod.org

हिन्दी अनुवाद हेतु श्रीमती रीतु बूचर तथा श्रीराम गोपाल सिंह को हार्दिक धन्यवाद।